Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to accord Gallantary award to Late Hawaldar Sher Thapa, the hero of 1962 India-China war.

श्री तापिर गाव : आदरणीय सभापति महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण इश्यू को उठाना चाहूंगा । वर्ष 1962 की लड़ाई अरुणाचल प्रदेश के तीन सेक्टरों में लड़ी गई थी । एक तवांग सेक्टर, एक सुबनसिरी सेक्टर और एक वालोंग सेक्टर । हम दो सेक्टरों में हारे, लेकिन सुबनसिरी सेक्टर में हिन्दुस्तान की आर्मी ने चाइनीज आर्मी को 18 नवंबर, 1962 में हराया था । इसके हीरो हवादार शेर थापा थे । यह सैकेंड जम्मू और कश्मीर राइफल्स का सिपाही था । अकेले 155 चाइनीज आर्मी को इंजर्ड किया और 79 चाइनीज आर्मी को 18 नवंबर, 1962 में इन्होंने मार गिराया । जब उसका गोली-बारूद खत्म हो गया, चाइनीज ने आकर उसको मारा । उसको चाइनीज आर्मी ने वहां इज्जत से दफनाया और उसके ऊपर चाइनीज अक्षरों में लिखा । 19 नवंबर, 1962 में चाइनीज रेडियो में अनाउंस हुआ कि मोर देन 150 आर्मी इंजर्ड एंड शहीद हुए । इसके लिए हवादार शेर थापा की आत्मा हिन्दुस्तान में अभी भी भटक रही है । इसलिए मैंने डिफेंस मिनिस्टर को, चीफ ऑफ द आर्मी को और बाकी सब को लैटर लिखा । इनके एक सीनियर ऑफिसर कर्नल रिटायर्ड अमर पाटील पुणे में अभी है, इन्होंने भी गवर्नमेंट ऑफ इंडिया को लिखा है ।

माननीय सभापति: आप रिक्वेस्ट कीजिए ।

श्री तापिर गाव : मेरी मांग यह है कि आज शेर थापा को मरणोपरांत एक गैलेंट्री अवार्ड दिया जाए, ताकि हिन्दुस्तान की आर्मी को भी बल मिले और आज चाइनीज बॉर्डर पर जो नौकरी कर रहे हैं, बॉर्डर की सुरक्षा कर रहे हैं, इन सब को भी इज्जत मिले । धन्यवाद ।